



# साहित्य अमृत

## मासिक

वर्ष-२२ अंक-८ ♦ पृष्ठ ८४

फाल्गुन-चैत्र, संवत्-२०७३-७४

मार्च २०१७

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

संपादक

गिलोकी नाथ चतुर्वेदी

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली-११०००२

फोन : २३२८९७७७७ • फैक्स : २३२५३२३३

इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

शुल्क

एक अंक — ₹ ३०

वार्षिक (व्यक्तियों के लिए) — ₹ ३००

वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए) — ₹ ४००

विदेश में

एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US\$4)

वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US\$45)

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा

४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२

से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६,

कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

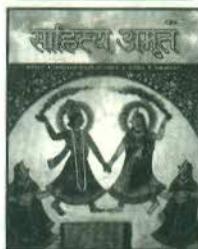
साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्ति

विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं।

संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे

सहमत होना आवश्यक नहीं है।

## इस अंक में



## संपादकीय

राजस्थान राज्य अभिलेखागार\*\*

## कविता

सरस्वती वंदना/ सुरेश चंद्र निशिकर

१

भूख/ सितम सागर वेदवाक

१२

तुम हर बगिया\*\*/ रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'

१३

फारगुन आ गया/ संजय पंकज

२३

हाथ लिये पिचकारियाँ/ अणिमा सिंह

३२

रंग-रंग हैं मस्तियाँ/ अशोक 'अंजुम'

५३

नीति के दोहे/ नरेंद्र दीपक

५९

बस यूँ ही/ सुनीता बहल

७०

अवध में फारगुन\*\*/ प्रतिमा अखिलेश

७१

## पत्र

बाबू गुलाब राय व निरालाजी के पत्र/

विनोद शंकर गुप्त

३६

## हास्य-ब्यंग्य

उस होली से इस होली तक/ शमीम शैख

४४

राम झारोखे बैठ के

हमारे मोहल्ले के लोग/ गोपाल चतुर्वेदी

५०

## साहित्य का भारतीय परिपाश्व

अगला जन्म/ दिनकर जोशी

५४

## रिपोर्टज़

सिंहस्थपुरी के अविस्मरणीय क्षण/

अखिलेश सिंह श्रीवास्तव

५७

## साहित्य का विश्व परिपाश्व

दिनभर का इंतजार/ अनेंस्ट हेमिंगवे

६०

## यात्रा-संस्मरण

लला, फिर आङ्गियो खेलन होरी/

प्रेमपाल शर्मा

६२

## लोक-साहित्य

लोकगीतों में राम\*\*/ तिलक राज शर्मा

७२

## बाल-संसार

बिन दिमाग/ कोमल वाधवानी 'प्रेरणा'

७४

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ

७६

वर्ग-पहेली

७८

साहित्यिक गतिविधियाँ

७९

## पुस्तक-अंश

मितभाषी, गंभीर और स्पष्ट चिंतन/

ओमप्रकाश कोहली

१८

## लघुकथा

कड़वा सच/ अनिता देवी

१७

प्रवचन और राशिफल/ संजय कुमार

५६

पैसे का डिब्बा/ जय किशोर बरेरिया

७५

## स्मरण

डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल': हिंदी साहित्य

का एक अनूठा व्यक्तित्व/ दयाशंकर शुक्ल २६